Business Telegraph

Calcutta Tuesday 14 February 2012

Doulat Kuanyshev in Calcutta on Monday.
Picture by Kishor Roy Chowdhury

Kazakhstan explores trade scope

A STAFF REPORTER

Calcutta, Feb. 13: The ambassador of Kazakhstan, Doulat Kuanyshev, today met Bengal industry minister Partha Chatterjee to explore prospects of co-operation in tea, tourism and mining.

"Kazakhstan is the second largest importer of tea. We take more Assam tea than Darjeeling. We should promote business ties with Bengal. I have invited the minister to take a delegation to Kazakhstan," Kuanyshev said later at a session organised by the MCC Chamber of Commerce & Industry here today.

He said the consumption of premium tea was becoming a trend in his country. "There is enough scope to qualitatively improve the tea market. We import about $41 million worth of Indian tea."

Kazakhstan is India's largest trading partner among the central Asian republics. Bilateral trade has grown to $306.30 million in 2010-11 from $171.48 million in 2006-07.

During the period, India's exports to the country grew to $167.88 million from $83.18 million, while imports rose to $138.42 million from $88.30 million.

Major export items were tea, pharmaceuticals, medical equipment, machinery, tobacco and consumer items.

১৪ ফেব্রুয়ারি, ২০১২ সকালবেলা

মুখ্যমন্ত্রীর লেখা বই পড়ে মুগ্ধ কাজাখ রাষ্ট্রদূত

স্টাফ রিপোর্টার: মুখ্যমন্ত্রী মমতা বন্দ্যোপাধ্যায়ের লেখা 'মাই আনফরগেটেবল মেমোরিজ' পড়ে মুগ্ধ কাজাখস্তানের রাষ্ট্রদূত দৌলত কুয়ানশেভ । সম্প্রতি মুখ্যমন্ত্রীর এই বইটি প্রকাশিত হয়েছে। ইতিমধ্যেই কাজাখস্তানের রাষ্ট্রদূত বইটি পড়ে ফেলেছেন। সম্প্রতি তিনি কলকাতায় এসে বইটি পড়েছেন। সোমবার মার্চেন্ট চেম্বার অফ কমার্সে এক অনুষ্ঠানে এসে তিনি বললেন, আমি এই প্রথম পশ্চিমবঙ্গে এলাম। রাজ্যের মুখ্যমন্ত্রী মমতা বন্দ্যোপাধ্যায়ের লেখা বই পড়ে আমি আপ্লুত। তিনি এই বইতে তাঁর জীবনের বিভিন্ন অভিজ্ঞতার কথা লিখেছেন। যা পড়তে পড়তে আমি আবেগপ্রবণ হয়ে গিয়েছি। বইটির বেশ কিছু জায়গা পড়ে আমার নিজের অভিজ্ঞতার সঙ্গে মেলাতেও চেষ্টা করেছি। যদিও মমতা বন্দ্যোপাধ্যায়ের লেখায় তিনি যে অভিজ্ঞতার কথা লিখেছেন তার সঙ্গে আমার ব্যক্তিগত অভিজ্ঞতার মিল নেই। তাও মৌলিক বিষয়ে কিছু মিল থাকার জন্য আমার বইটি পড়ে খুব ভাল লেগেছে।

কাজাখস্তানের রাষ্ট্রদূত রবিবার কলকাতার ভিক্টোরিয়া মেমোরিয়াল, কালীঘাট মন্দির, মাদার টেরেসার মিশনারি অফ চ্যারিটিজে গিয়েছিলেন। এই সব জায়গায় গিয়ে কলকাতা সম্পর্কে তাঁর বেশ ভাল অভিজ্ঞতা হয়েছে বলেও তিনি এদিন সাংবাদিকদের জানিয়েছেন।

राजस्थान पत्रिका

कोलकाता . मंगलवार

14.02.2012

एमसीसी की पहल पर आयोजित परिचर्चा में कजकिस्तान के राजदूत दोलात कुयानसेव और वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जालान। पत्रिका

भारतमित्र

कोलकाता, मंगलवार, 14 फरवरी, 2012

बंगाल में निवेश की काफी संभावनाएं

कोलकाता, 13 फरवरी। कजाकस्तान के राजदूत दौलत कुआनीसेव ने भारत व कजाकस्तान के बीच व्यापार व निवेश में सहयोग के क्षेत्र पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल व कजाकस्तान में निवेश के लिए संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। श्री कुआनीसेव एमसीसीआई प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्य के वाणिज्य व उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी से मिले और उनसे पश्चिम बंगाल व कजाकस्तान में निवेश के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वे बंगाल की समृद्ध संस्कृति व विविधता के कायल है। उन्होंने बताया कि कजाकस्तान के लोग भारतीय चाय के प्रेमी है। वहां 40 एमएन डॉलर की चाय कजाकस्तान में निर्यात की जाती है। कुआनीसेव को उत्तर-दक्षिण ट्रासपोर्टेशन कॉरिडोर प्रोजेक्ट को लेकर काफी उम्मीदें हैं जिसमें भारत, रूस, ओमान, ईरान, कजाकस्तान, इराक व अन्य मध्य एशियाई राष्ट्र भाग ले रहे हैं। कुआनीसेव आज मर्चेण्ट चैंबर की ओर से आयोजित एक परिचर्चा सत्र में भाग लेने के लिए महानगर आये थे।

प्रभात खबर

कोलकाता, मंगलवार, 14 फरवरी, 2012

भारत-कजाकिस्तान संबंध पर जोर

कोलकाता : कजाखिस्तान के राजदूत एच इ दौलत कानयेसेव ने भारत एवं कजाखिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया. वे सोमवार को एमसीसी चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री में आयोजित वार्ता सत्र में बोल रहे थे. इसमें एमसीसी के सहायक अध्यक्ष दीपक जालान एनं अन्य मौजूद थे. श्री कानयेसेव ने कहा, कजाखिस्तान भारत के साथ पर्यटन व खनन के क्षेत्र में व्यापार करने को इच्छुक है.

प्रभात वार्ता

कोलकाता • मंगलवार • 14 फरवरी 2012

कजाख़स्तान के राजदूत दौलत कुआनसेव का सोमवार को एमसीसी मर्चेन्ट चेम्बर ऑफ कॉमर्स में स्वागत करते चेम्बर उपाध्यक्ष दीपक जालान। • प्रभात वार्ता

कजाख़स्तान को रास आयी दार्जिलिंग की चाय

कोलकाता (का.सं.)। राज्य के दार्जिलिंग की चाय कजाख़स्तान को काफी रास आ रही है। चाय के साथ पर्यटन व खनन के क्षेत्र में भी कजाख़स्तान ने राज्य के साथ औद्योगिक व्यापार में रुचि जताई है। एमसीसी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री की ओर से सोमवार को भारत-कजाख़स्तान द्विपक्षीय व्यापार विषयक कार्यक्रम में रिपब्लिक ऑफ कजाख़स्तान के राजदूत दौलत कुआनसेव ने उक्त जानकारी दी। कजाख़स्तान भारत की चाय का एक बड़ा उपभोक्ता है। कजाख़स्तान में भी भारत की चाय को और अधिक उगाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। खनन व पर्यटन के क्षेत्र में राज्य के साथ कजाख़स्तान संबंध बढ़ाने को इच्छुक है। कुआनसेव ने कहा कि भारत व कजाख़स्तान के बीच परिवहन एक बड़ी समस्या है। भारत की ओर से नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर परियोजना का प्रयास किया जा रहा है। इसके शुरू होने से दोनों ही देशों के व्यापारिक संबंध और मजबूत हो सकेंगे। साथ ही अन्य देशों के साथ भी व्यापार करने में मदद मिल सकेगी। पिछले वर्ष कजाख़स्तान ने भारतीय बाजार में 60 मिलियन डॉलर का निवेश किया। भारतीय निवेशकों की ओर से भी कजाख़स्तान में 60 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया गया।

अब कजाख़स्तान के लिए प्रति सप्ताह पाँच फ्लाइट : कुआनसेव ने बताया कि दिल्ली से अलमाटी के लिए फिलहाल तीन फ्लाइट हैं। इस वर्ष के अंत तक प्रति सप्ताह दिल्ली से अलमाटी के बीच पाँच फ्लाइट होगी।

उद्योग मंत्री से मिले राजदूत : दौलत कुआनसेव ने सोमवार की सुबह राज्य के उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने व्यापारिक मसलों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पहले चेम्बर उपाध्यक्ष दीपक जालान ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि कजाख़स्तान व भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार, वर्ष 2006-07 में यूएस डॉलर 171.48 मिलियन था। जबकि वर्ष 2010-11 में द्विपक्षीय व्यापार 306.30 मिलियन यूएस डॉलर पहुँच गया। भारत का कजाख़स्तान को निर्यात, वर्ष 2006-07 में यूएस डॉलर 83.18 मिलियन रहा। जबकि वर्ष 2010-11 में यह 167.88 मिलियन यूएस डॉलर हो गया। भारत के आयात में 88.30 मिलियन यूएस डॉलर से 138.42 मिलियन यूएस डॉलर की वृद्धि हुई है।

दैनिक जागरण जमशेदपुर, 14 फरवरी 2012

भारत-कजाकिस्तान में व्यापार बढ़ाने को सड़क परिवहन पर जोर

कोलकाता, जागरण संवाददाता : भारत-कजाकिस्तान में व्यापार बढ़ाने के लिए सबसे पहले दोनों देशों के बीच सड़क परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करना होगा। कजाकिस्तान के राजदूत दौलत कुआनीशेव ने सोमवार को मर्चेंट्स चेंबर आफ कामर्स की तरफ से आयोजित परिचर्चा में इस बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध काफी बेहतर है। कजाकिस्तान व भारत के बीच पिछले साल 60 मिलियन डालर का कारोबार हुआ था, जिसमें से ज्यादातर कारोबार असम चाय का हुआ है। व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के बीच विमान सेवा को बढ़ाने की भी कोशिश की जा रही है। बंगाल के साथ व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी के साथ भी विचार-विमर्श किया गया है। उन्होंने कहा कि कजाकिस्तान से यूरेनियम का निर्यात काफी मात्रा में किया जाता है। सरकारी कंपनियों की तुलना में वहां ज्यादातर निजी कंपनियां है। पर्यटन के मामले में

द्विपक्षीय संबंध

- दोनों देशों के बीच विमान सेवा बढ़ाने की भी पहल

वार्ता सत्र में बोलते कजाकिस्तान के राजदूत जागरण

कजाकिस्तान काफी उन्नत है। आने वाले दिनों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लोचदार वीजा नीति लाने की योजना बनाई जा रही है। इस मौके पर मर्चेंट्स चेंबर आफ कामर्स के उपाध्यक्ष दीपक जालान, रमेश अग्रवाल एवं आरके सेन उपस्थित थे।

SANGBAD PRATIDIN 14 FEBRUARY 2012

মমতায় আপ্লুত কাজাখ-রাষ্ট্রদূত

লগ্নির সুযোগ বাড়ছে রাজ্যে

স্টাফ রিপোর্টার : 'আনফরগেটেবল মেমোরিজ' প্রকৃতই মধুর হয়ে রইল কাজখস্তানের রাষ্ট্রদূতের কাছে। প্রথমবার রাজ্যে এসে বাণিজ্য সংক্রান্ত কাজের আগে পশ্চিমবঙ্গকে চেনার জন্য রাজ্যের মুখ্যমন্ত্রী মমতা বন্দ্যোপাধ্যায়ের এই বইটিকেই বেছে নিয়েছিলেন এ দেশে সেখানকার রাষ্ট্রদূত দৌলত কুয়ানিশেভ। সোমবার মার্চেন্ট চেম্বার অফ কমার্সে এক সাংবাদিক সম্মেলনে এসে রাজ্যের সংস্কৃতির ভূয়সী প্রশংসা করে জানালেন, অদ্ভুতভাবে তাঁর নিজের জীবনের সঙ্গেও অনেক জায়গায় মিলে গিয়েছে মা-মাটি-মানুষের নেত্রীর স্মরণীয় অনুভূতিগুলিও। বইটি পড়ে নেত্রীর আন্দোলন সম্পর্কে বেশ কিছুটা জেনে রীতিমতো আপ্লুত তিনি। এমসিসি-র এই অনুষ্ঠানে আসার আগে মহাকরণে শিল্পমন্ত্রী পার্থ চট্টোপাধ্যায়ের সঙ্গেও দেখা করেন তিনি। কুয়ানিশেভ জানান, পর্যটন, চা, বিদ্যুৎ এইসব ক্ষেত্রে সে দেশে ব্যবসার সুযোগ রয়েছে। রাজ্যও বিষয়গুলি নিয়ে আগ্রহী। এমনকী, জানালেন, রাজ্যেও বেশ কিছু ক্ষেত্রে লগ্নির সুযোগ রয়েছে। কাজাখস্তানের সরকারকে সে বিষয় নিয়ে আগ্রহী করে তোলার কথা জানিয়েছেন কুয়ানিশেভ। বাণিজ্য নিয়ে আলোচনার ফাঁকে কুয়ানিশেভ খোশমেজাজে ব্ল্যাক টি-র জন্য আবদার জানানোর ফাঁকেই বললেন, দার্জিলিং থেকে কালীঘাট মন্দির, ভিক্টোরিয়া মেমোরিয়াল থেকে মাদার টেরিজার বাড়ি প্রায় সর্বত্রই ঘুরে নিয়েছেন তিনি। রাজ্যের সর্বত্র ঘুরে পর্যটন নিয়ে প্রশংসায় পঞ্চমুখ হয়ে জানালেন, কলকাতার মতোই ছোট্ট একটি দেশ কাজাখস্তানে লোকজন দিনে অন্তত ৭-৮ কাপ চা খান। সে অভ্যাস কার্যত আরও বাড়িয়ে দিয়েছে অসম-দার্জিলিংয়ের চা।

দৌলত কুয়ানিশেভকে সংবর্ধিত করছেন দীপক জালান। সোমবার। —প্রতিদিন চিত্র

THE STATESMAN KOLKATA TUESDAY 14 FEBRUARY 2012

Kazakh envoy escapes unhurt

KOLKATA, 13 FEB: Kazakhstan Ambassador in India Doulat Kuanyshev escaped unhurt after his car hit the rear of the pilot car in the metropolis today, police sources said. Mr Kuanyshev's vehicle hit the pilot car when it braked to avoid collision with a bike coming from the opposite direction near a hotel, the sources said.

ভোরের বার্তা বুধবার, ১৫ ফেব্রুয়ারি, ২০১২

ভারত- কাজাকাস্থান বাণিজ্যিক সম্পর্কের মধ্যে দিয়ে বদলে যাবে মধ্য এশিয়ার রাজনৈতিক সম্পর্ক

কাজাকাস্থানের রাষ্ট্রদূত দৌলাত কেয়েনসেভ যেভাবে ভারতের সঙ্গে উষ্ণ সম্পর্ক রাখায় বিশ্বাসী তা আগামী দিনে হয়ত মধ্য এশিয়ার রাজনৈতিক সম্পর্কতেও এক নয়া মোড় দেখা যেতে পারে। ইরান, রাশিয়া, ওমান, ভারত, কাজাকাস্থানের মধ্যে যদি যোগাযোগ ব্যবস্থা সুদৃঢ় হয় তবে আগামী দিনে সমস্তরকম সম্পর্কের মধ্যে দিয়ে ইতিবাচক প্রভাব লক্ষ্য করা যাবে। তবে দার্জিলিং-এর চা পার্টিতে কেয়েনসেভ যে অনেকটাই মুগ্ধ তা ভারত থেকে চা আমদানির যে বিশাল রাশি তিনি প্রকাশ করেছেন তাতেই বোঝা গেছে।

সম্পর্কের কিছু গুরুত্বপূর্ণ দিক

মার্চেন্ট চেম্বার অফ কমার্সের দ্বারা আয়োজিত ভারত- কাজাকাস্থান বাণিজ্যিক সম্পর্ক নিয়ে আলোচনা সভায় যে সমস্ত বিষয়গুলি উঠে এসেছে তার মধ্যে গুরুত্বপূর্ণ হল ১) দুই দেশের আমদানি রপ্তানির পরিমাণ, ২) বিশাল অঙ্কের ভারতীয় চায়ের রপ্তানি, ৩) কাজাকাস্থানের তেল উৎপাদন কেন্দ্রে ভারতীয়দের বিনিয়োগ, ৪) ইউরেনিয়ামে সমৃদ্ধ কাজাকাস্থান থেকে ভারতের পারমাণবিক বিদ্যুতের জন্য সাহায্যের আশ্বাস, ৫) মধ্য এশিয়ার কাজাকাস্থানের মধ্যে দিয়ে অর্থনৈতিক সম্প্রসারণের মধ্যে দিয়ে রাজনৈতিক শক্তির বিস্তার। ৬) নিরাপত্তা পরিষদের ভারতের স্থায়ী সদস্যপদের জন্য সমর্থন। ৭) পর্যটন ক্ষেত্রে দুই দেশের সম্পর্কের বিস্তার। এসবই হবে ভারত-কাজাকাস্থান সম্পর্কের মূল কেন্দ্রবিন্দু।

পশ্চিমবঙ্গ সহ ভারতে বিনিয়োগে গুরুত্ব

যেহেতু পশ্চিমবঙ্গ এক গুরুত্বপূর্ণ অঞ্চল এবং বাণিজ্যের ক্ষেত্রে এর ভূমিকা রয়েছে তাই কাজাকাস্থানের রাষ্ট্রদূত পশ্চিমবঙ্গের শিল্পকেও গুরুত্ব দিতে রাজী। পশ্চিমবঙ্গের শিল্পমন্ত্রী পার্থ চ্যাটার্জির সঙ্গে বৈঠক করেন। মূলত পশ্চিমবঙ্গের সঙ্গে বাণিজ্যিক সম্পর্ক বৃদ্ধি বাড়াতে নতুন উদ্যোগ নেওয়ার কথা তিনি ঘোষণা করেন। দার্জিলিং থেকে চা রপ্তানি, বাংলার ছেলে লক্ষ্মী মিত্তালের কাজাকাস্থানে বিনিয়োগ তাকে আকৃষ্ট করেছে। এছাড়াও সারা ভারতবর্ষ থেকে ৬০ মিলিয়ন ডলার বিনিয়োগ হয়েছে তেল উৎপাদন ক্ষেত্রে। তাছাড়াও প্রতি বছর ৪০ মিলিয়ন ডলারের চা পশ্চিমবঙ্গ থেকে কাজাকাস্থানে রপ্তানি হয়ে থাকে।

কাজাকাস্থানের রাষ্ট্রদূত দৌলাত কেয়েনসেভকে সংবর্ধনা দিচ্ছেন এমসিসিআই-এর সহসভাপতি দীপক জালান। ছবি : মৃত্যুঞ্জয় রায়

ভারত-কাজাকাস্থানের বাণিজ্যের পরিমাণ

২০১১ সালের এপ্রিল মাসে ভারতের প্রধানমন্ত্রী মনমোহন সিং কাজাকাস্থানে গিয়ে পারমাণবিক বিদ্যুৎ বিষয়ে একটি শান্তিপূর্ণ চুক্তি স্বাক্ষর করেন। যার মূল উদ্দেশ্য হল সামগ্রিকভাবে বিদ্যুৎ ক্ষেত্রেও ভারত-কাজাকাস্থানের মধ্যে এক দীর্ঘ মেয়াদী সম্পর্ক গড়ে তোলা। যেহেতু আগামী দিনের বিদ্যুতের চাহিদা ধীরে ধীরে বাড়বে তাই কাজাকাস্থানের রাষ্ট্রদূত ভারতীয় সংস্থাগুলিকে বিদ্যুৎ ক্ষেত্রে বিনিয়োগের জন্য কাজাকাস্থানে আমন্ত্রণ জানিয়েছে। ২০০৬-০৭ সালে দুই দেশের বাণিজ্যিক পরিমাণ ছিল ১৭১.৪৮ মিলিয়ন ডলার, ২০১০-১১ সালে তার পরিমাণ দাঁড়িয়েছে ৩০৬.৩০ মিলিয়ন ডলার। ভারতের রপ্তানির পরিমাণ ২০০৬-০৭ সালে ছিল ৮৩.১৮ মিলিয়ন ডলার। ২০১০-১১ সালে গিয়ে দাঁড়িয়েছে ১৬৭.৮৮ মিলিয়ন ডলার। তবে সেই সময়ই ভারতের আমদানীর পরিমাণ ৮৩.৩০ মিলিয়ন ডলার থেকে ১৩৮.৪২ মিলিয়ন ডলারে পৌঁছেছে। তবে কাজাকাস্থানে যে সমস্ত জিনিস রপ্তানি করা হয় তার মধ্যে গুরুত্বপূর্ণ হল চা, বিভিন্ন যন্ত্রাংশ, তামাক, চিকিৎসার যন্ত্রপাতি প্রভৃতি। তবে কাজাকাস্থানের ধীরে ধীরে বিদেশী বিনিয়োগের পরিমাণও দিনে দিনে বেড়ে চলেছে। কিন্তু ভারতে কাজাকাস্থানের বিনিয়োগের পরিমাণ খুবই সামান্য। কাজাকাস্থান যেহেতু সারা পৃথিবীর ১৭ শতাংশ ইউরেনিয়াম সমৃদ্ধ দেশ। তাই ভারতও কাজাকাস্থানের সঙ্গে বাণিজ্যিক সম্পর্ককে স্থিতিশীল রাখতে আগ্রহী।

শেষ কথা

যেহেতু ভারত ধীরে ধীরে তার বাণিজ্যিক সম্পর্ককে ছড়াতে শুরু করেছে তাই মধ্য এশিয়ায় নিজেদেরকে আরও বেশি সুদৃঢ় করে তুলতে কাজাকাস্থানের সঙ্গে সুসম্পর্ক গড়ে তুলতে আগ্রহী। ভবিষ্যতে যে তেল প্রকল্প গড়ে তোলার কথা চলছে এছাড়াও আরবিয়ান দেশগুলির সঙ্গে বাণিজ্য পথ গড়ে তুলতে ওই দেশগুলির সঙ্গে বন্ধন রাখতেই হবে। তবে কাজাকাস্থানের রাষ্ট্রদূতের বক্তব্যে বারবার করে দুই দেশের প্রাচীন সংস্কৃতির কথা উঠে এসেছে। পঞ্চম থেকে বারো'শ শতাব্দীতে দুই দেশের মধ্যে যেভাবে সাংস্কৃতিক সম্পর্ক গড়ে উঠেছিল তাকেও মূলধন করতে চেয়েছেন তিনি। তবে আগামী দিনে তথ্য প্রযুক্তি থেকে শুরু করে বস্ত্র থেকে ইঞ্জিনিয়ারিং দ্রব্য, মূল্যবান ধাতু, রত্ন সব ক্ষেত্রেই বাণিজ্যিক সম্পর্ক গড়ে তুলতে আগ্রহী। আগামী দিনে পশ্চিমবঙ্গও যে বিনিয়োগের বৃহত্তর ক্ষেত্র হয়ে উঠবে সেদিকেও নজর রয়েছে তাদের।

সম্প্রতি পশ্চিমবঙ্গ সরকারের প্রতিনিধিদের সঙ্গে আলোচনা সভাতেও সে বিষয়ে তার কাছেই তুলে ধরা হয়েছে। তবে কাজাকাস্থানের রাষ্ট্রদূত মনে করেন, আর্থিক মন্দা থাকা সত্ত্বেও ভারত যেভাবে বিশ্ব বাণিজ্যের নিজেদের প্রসারতা লাভ করেছে তা খুবই গর্বের। মার্চেন্ট চেম্বারের এই আলোচনা সভায় ভারত কাজাকাস্থান বাণিজ্যিক সম্পর্কে যাতে আরও ইতিবাচক পথেই নিয়ে যাওয়া হয় সেদিকেই গুরুত্ব দেওয়া হয়েছে। আগামী দিনে পর্যটন ক্ষেত্র হিসেবে যে পশ্চিমবঙ্গের গুরুত্ব রয়েছে সে কথাও উঠে এসেছে তার কাছে। তবে তিনি ভারতের ভ্রমণ পিপাসু মানুষদের আহ্বান জানিয়েছেন কাজাকাস্থানে। বিশ্বায়ন পরবর্তীকালে অর্থনীতি যে এইভাবেই পারস্পরিক সম্পর্কের মধ্য দিয়ে নতুন পথে এগিয়ে যাবে তাই সবার কাছে কামনা।

—নিজস্ব প্রতিনিধি

दैनिक विश्वमित्र
कोलकाता
मंगलवार, १४ फरवरी २०१२

मर्चेंट्स चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित परिचर्चा सत्र में कजाकिस्तान के राजदूत डुलेट क्वानिशेव का स्वागत कर रहे चेम्बर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जालान। -विश्वमित्र

भारत और कजाकिस्तान के बीच व्यापार बढ़ाने पर जोर

कोलकाता, १३ फरवरी (नि.प्र.)। भारत में कजाकिस्तान के राजदूत डूलेट क्वानिशेव ने कहा कि वे पश्चिम बंगाल की सम्पन्न संस्कृति एवं विभिन्नताओं से काफी प्रभावित है। मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक परिचर्चा सत्र को संबोधित करते हुए क्वानिशेव ने भारत-कजाकिस्तान और पश्चिम बंगाल के किन-किन क्षेत्रों में व्यापार और निवेश एवं सहयोग किया जा सकता है इस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत कजाकिस्तान को ४० मिलियन डालर का चाय का निर्यात करता है क्योंकि कजाकिस्तान के लोग भारतीय चाय के प्रेमी हैं। इसी दौरान क्वानिशेव राज्य के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग व व्यापार और निवेश बढ़ाने पर चर्चा किया। उन्होंने उम्मीद जताया कि नार्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कारिडोर परियोजना के पूरी हो जाने केबाद भारत और कजाकिस्तान के बीच यातायात में सुविधा होगी। इस परियाजेना में भारत, रूस, ओमान, ईरान और कजाकिस्तान शामिल है। उन्होंने बतायाा क भारत की ओएनजीसी ने कजाकिस्तान में तेल खनन के लिये ६० मिलियन डालर का निवेश किया है। इसके अलावा भारतीय मूल के उद्योगपति एल.एन. मित्तल ने भी दोनों देशों के सम्बंधों को मजबूत करने के लिये एक समझौता प्रपत्र पर हस्ताक्षर किया है। राजदूत ने बताया कि हालांकि भारत और कजाकिस्तान के बीच सीधे कोई सड़क मार्ग नहीं है, लेकिन नई दिल्ली से यह सिर्फ ३ घंटे का सफर है। उन्होंने भारतीय निवेशकों को भी अपने देश आने का आमंत्रण दिया। इसके पूर्व मर्चेंट्स चेम्बर आफ कामर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जालान ने स्वागत भाषण देते हुए दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि आई, लेदर गुड्स, टेक्सटाइल गार्मेंट्स, एनर्जी गुड्स, डायमंड एंड ज्वेली और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में कजाकिस्तान यहां निवेश कर सकता है।

THE ASIAN AGE
KOLKATA
TUESDAY 14 | FEBRUARY 2012

KAZAKH ENVOY ESCAPES UNHURT

AGE CORRESPONDENT
KOLKATA, FEB. 13

Kazakhstan Ambassador to India Doulat Kuanyshev escaped unhurt after his car rammed into the pilot car ahead of it. He was in the city to attend a programme on Monday afternoon. A 24-year-old motorcyclist Mohammed Osman Hussain was arrested for rash driving.

The incident took place at around 2.45 pm on Jawaharlal Nehru Road. Led by a pilot car of the Kolkata police, Mr Kuanyshev's convoy was moving towards Park Street crossing. Two persons were travelling in a motorcycle ahead of the pilot car. As the signal turned red for the pedestrians to cross the road, the motorcycle stopped and so did the pilot car.

But the car in which the ambassador was travelling rammed into the pilot car.